[35 – A-35] No. of printed page: 1

SARDAR PATEL UNIVERSITY
M. A. (Hindi) (II Semester) Examination
4th April 2016 (Monday)
10.30 am – 1.30 pm
PA02EHIN01 – **हिन्दी रंगशिल्प एवं नाट्य कृतियाँ**

कुल अंक : ७०

प्र.: १ ''गीति नाट्य की परिभाषा देते हुए 'अन्धायुग' एक सफल गीति नाट्य है'' – इस कथन को स्पष्ट कीजिए । (१७)

अथवा

प्र.: १ अस्तित्ववादी नाटक के रूप में 'अन्धायुग' नाटक की समीक्षा कीजिए । (१७)

प्र.: २ मिथकीय नाटक के रूप में 'अन्धायुग' नाटक की समीक्षा कीजिए । (१७)

अथवा

प्र.: २ नाटकीय तत्त्वों के आधार पर 'सूर्य की अन्तिम किरण से – सर्य की पहली किरण तक' – नाटक की आलोचना कीजिए । (१७)

प्र.: ३ ''नाटक रंगमंच की ही वस्तु है ।'' – नाटक और रंगमंच के अन्त: सम्बन्ध पर प्रकाश डालते हुए इस कथन की समीक्षा कीजिए । (१८)

अथवा

प्र.: ३ नाटक का विधागत वैशिष्ट्य स्पष्ट कीजिए । (१८)

प्र.: ४ किन्हीं दो पर टिप्पणी लिखिए: (१८)

(क) शीलवती ।
(ख) नियोग परम्परा ।
(ग) कृष्ण का चरित्र अन्धायुग में ।
(घ) नाटक और नाट्य ।